Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 9.134
Volume - 9, Issue - 10, October - 2026

DOIs:10.2018/SS/202610010 --:-- Research Paper / Article / Review

रामपुर जनपद की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था: वर्तमान स्थिति, समस्याएँ एवं सुधार की संभावनाएँ

[1] **कविता**, [2] **डॉ. नाहिद परवीन**,
[1] शोधार्थीनी, समाजशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, गजरौला, अमरोहा, उत्तर प्रदेश
[2] शोध निर्देशिका, समाजशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, गजरौला, अमरोहा, उत्तर प्रदेश

Email - [1]sargamkavya80@gmail.com , [2]drnahidparveen@gmail.com

सारांश: ग्रामीण समुदायों के स्वास्थ्य की स्थिति किसी भी क्षेत्र के सामाजिक कल्याण, मानव विकास तथा आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती है। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और उपयोगिता अनेक सामाजिक, भौगोलिक एवं आर्थिक कारकों से प्रभावित होती है। प्रस्तुत अध्ययन में रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का समग्र मूल्यांकन करते हुए स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, मानव संसाधनों की स्थिति तथा ग्रामीण आबादी की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में यह पाया गया कि स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुँच, आवश्यक दवाओं एवं जांच सुविधाओं की उपलब्धता, विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं की कमी तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का निम्न स्तर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की प्रभावशीलता को प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त सामाजिक-आर्थिक स्थिति, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित स्वास्थ्य आवश्यकताएँ तथा स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता जैसी आधारभूत सुविधाएँ भी स्वास्थ्य परिणामों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और जन-केंद्रित बनाने हेतु स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित स्वास्थ्य नियोजन, मानव संसाधनों का सुदृढ़ीकरण, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक माना गया है।

कुंजी शब्द : ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वास्थ्य सुविधाएँ, स्वास्थ्य असमानता, सामुदायिक स्वास्थ्य, रामपुर जनपद।

1. भूमिका (Introduction)

स्वास्थ्य किसी भी समाज के मानव संसाधन की गुणवत्ता तथा समग्र विकास को निर्धारित करने वाला प्रमुख आधार है। व्यक्ति की शारीरिक एवं मानसिक क्षमता के साथ-साथ उसकी सामाजिक सहभागिता भी उसके स्वास्थ्य स्तर से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वास्थ्य को केवल किसी बीमारी या शारीरिक विकार से मुक्त होने तक सीमित न मानकर शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से संतुलित एवं स्वस्थ जीवन की स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है। भारत में ग्रामीण आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, आवश्यक औषधियों, चिकित्सकीय परामर्श तथा जांच सुविधाओं तक समान रूप से पहुँच प्राप्त नहीं कर पाता। स्वास्थ्य संसाधनों के असमान वितरण, आर्थिक सीमाओं, जागरूकता की कमी तथा आधारभूत सुविधाओं की अपर्याप्तता के कारण ग्रामीण समुदाय विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील रहता है। विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, संक्रामक रोगों की रोकथाम तथा स्वच्छता से संबंधित चुनौतियाँ ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। इन परिस्थितियों के संदर्भ में उत्तर प्रदेश का रामपुर जनपद ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पहुँच तथा उनसे जुड़ी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के अध्ययन के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र प्रस्तुत करता है।

2. अध्ययन क्षेत्र का परिचय (Study Area: Rampur District)

रामपुर जनपद उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में अवस्थित एक महत्वपूर्ण जनपद है, जिसकी सामाजिक एवं आर्थिक पहचान कृषि, स्थानीय व्यापार तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है। यहाँ की आबादी का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है और कृषि कार्य, दैनिक मजदूरी तथा अन्य अनौपचारिक व्यवसाय उनकी आय के प्रमुख स्रोत हैं। जनपद में जिला स्तर से लेकर प्राथमिक स्तर तक विभिन्न स्वास्थ्य संस्थान कार्यरत हैं, जिनमें जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके बावजूद ग्रामीण आबादी के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता कई स्तरों पर चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। स्वास्थ्य संस्थानों की दूरी, परिवहन संबंधी कठिनाइयाँ, आर्थिक सीमाएँ तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का अभाव चिकित्सा सेवाओं के उपयोग को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त स्वच्छ पेयजल, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों से जुड़ी समस्याएँ ग्रामीण समुदाय के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं। इन सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों को देखते हुए रामपुर जनपद ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति और उससे संबंधित चुनौतियों के अध्ययन के लिए प्रासंगिक क्षेत्र है।



चित्र–1 : रामपुर जनपद का भौगोलिक मानचित्र

विवरण: प्रस्तुत मानचित्र रामपुर जनपद के भौगोलिक एवं प्रशासनिक स्वरूप का संक्षिप्त चित्रण प्रस्तुत करता है। इसमें जनपद की क्षेत्रीय सीमाओं के साथ-साथ प्रमुख परिवहन मार्गों, नदी तंत्र तथा विभिन्न प्रशासनिक क्षेत्रों की स्थिति को दर्शाया गया है। मानचित्र के माध्यम से रामपुर की स्थानिक स्थिति तथा आसपास के क्षेत्रों के साथ इसके भौगोलिक संबंधों को समझने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, अध्ययन क्षेत्र की भौगोलिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट करने तथा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्रीय वितरण के संदर्भ को समझने के लिए यह मानचित्र उपयोगी आधार प्रदान करता है।

3. अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पहुँच तथा उनसे संबंधित प्रमुख चुनौतियों का समग्र अध्ययन करना है। इस व्यापक उद्देश्य को निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों के माध्यम से प्राप्त करने का प्रयास किया गया है—

1. रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं की स्थिति का आकलन करना।
2. ग्रामीण जनसंख्या द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग में आने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं भौगोलिक बाधाओं का अध्ययन करना।
3. महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति का मूल्यांकन करना।
4. ग्रामीण समुदाय में संक्रामक तथा गैर-संचारी रोगों से संबंधित स्वास्थ्य परिस्थितियों का अध्ययन करना।
5. केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं की ग्रामीण स्तर पर पहुँच एवं कार्यान्वयन का विश्लेषण करना।
6. अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने के लिए व्यवहारिक सुझाव प्रस्तुत करना।

तालिका–1 : अनुसंधान की रूपरेखा

क्रम संख्या	अनुसंधान घटक	विवरण
1	अनुसंधान की प्रकृति	वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक
2	अध्ययन क्षेत्र	उत्तर प्रदेश का रामपुर जनपद एवं चयनित ग्रामीण क्षेत्र
3	अध्ययन का स्वरूप	ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का क्षेत्रीय एवं सामाजिक-आर्थिक अध्ययन
4	आँकड़ों का प्रकार	मुख्यतः द्वितीयक आँकड़े
5	प्रमुख आँकड़ा स्रोत	जनगणना रिपोर्ट, सरकारी प्रकाशन, स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट एवं उपलब्ध स्वास्थ्य अभिलेख
6	अध्ययन की प्रमुख इकाई	ग्रामीण जनसंख्या एवं ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा संस्थान
7	अध्ययन के प्रमुख आयाम	स्वास्थ्य अवसंरचना, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, रोग स्थिति तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाएँ
8	विश्लेषण की पद्धति	तुलनात्मक, वर्णनात्मक एवं व्याख्यात्मक विश्लेषण
9	अध्ययन का उद्देश्य	ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की वर्तमान स्थिति एवं प्रमुख समस्याओं का आकलन
10	अपेक्षित परिणाम	ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करना

4. अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

प्रस्तुत शोध कार्य में **वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अनुसंधान दृष्टिकोण** को अपनाया गया है। अध्ययन का उद्देश्य रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, पहुँच तथा प्रमुख स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों को व्यवस्थित रूप से समझना है। अध्ययन के लिए उपलब्ध एवं विश्वसनीय **द्वितीयक स्रोतों** से आवश्यक आँकड़े संकलित किए गए हैं। इनमें सरकारी स्वास्थ्य संबंधी प्रकाशन एवं रिपोर्ट, जनगणना से प्राप्त आँकड़े तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए अभिलेख प्रमुख हैं। संकलित सामग्री को व्यवस्थित करने के पश्चात विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों एवं उपलब्ध सेवाओं के संदर्भ में **तुलनात्मक और व्याख्यात्मक विश्लेषण** किया गया है।

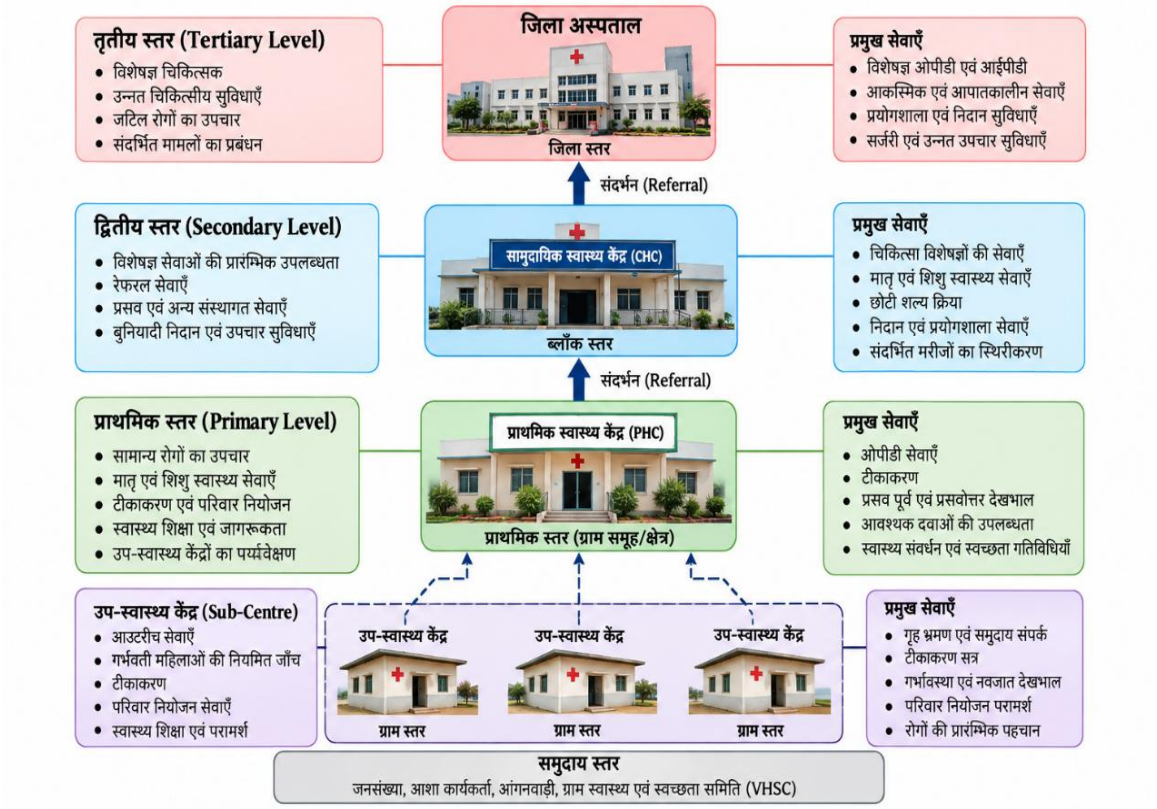
5. ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की प्रमुख चुनौतियाँ

5.1 स्वास्थ्य अवसंरचना एवं सुविधाओं की अपर्याप्तता

रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावशीलता को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख पक्ष आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाओं की सीमित उपलब्धता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उप-स्वास्थ्य केंद्रों के स्तर पर भवन और संस्थागत व्यवस्था होने के बावजूद आवश्यक औषधियों, चिकित्सकीय उपकरणों, प्रयोगशाला सुविधाओं तथा आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता प्रत्येक क्षेत्र में समान नहीं है। इससे सामान्य उपचार के साथ-साथ गंभीर रोगियों के समय पर प्रबंधन में कठिनाई उत्पन्न होती है। परिणामस्वरूप ग्रामीण आबादी को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है।

तालिका–2 : ग्रामीण स्वास्थ्य अवसंरचना की स्थिति

स्वास्थ्य संस्था	सामान्य स्थिति	प्रमुख चुनौती
उप-स्वास्थ्य केंद्र	सीमित/असमान उपलब्धता	आवश्यक औषधियों एवं मूलभूत सुविधाओं की कमी
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC)	ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध, परन्तु सेवाओं में भिन्नता	चिकित्सकीय स्टाफ एवं उपकरणों की कमी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC)	सीमित संख्या एवं पहुँच	विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता
जिला अस्पताल	उच्च स्तर की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध	दूरस्थ ग्रामीण आबादी के लिए पहुँच संबंधी कठिनाई



चित्र–2 : ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की संरचना

विवरण: प्रस्तुत चित्र ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के विभिन्न स्तरों तथा उनके बीच सेवा-प्रवाह को प्रदर्शित करता है। प्राथमिक स्तर पर उपलब्ध संसाधनों की कमी का प्रभाव आगे के स्वास्थ्य सेवा तंत्र पर भी पड़ता है।

5.2 स्वास्थ्य मानव संसाधनों की कमी

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता केवल संस्थानों की संख्या पर निर्भर नहीं करती, बल्कि वहाँ उपलब्ध प्रशिक्षित मानव संसाधनों की पर्याप्तता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, एएनएम, प्रयोगशाला तकनीशियनों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की सीमित उपलब्धता के कारण कई स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यस्थल की परिस्थितियाँ, आवासीय सुविधाओं की कमी, सीमित विशेषज्ञ सेवाएँ तथा व्यावसायिक अवसरों की असमानता भी स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता को प्रभावित करने वाले कारक हो सकते हैं।

तालिका–3 : ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में मानव संसाधनों की स्थिति

स्वास्थ्य कर्मी	उपलब्धता की स्थिति	प्रमुख समस्या
चिकित्सक	अपेक्षाकृत सीमित	नियमित उपलब्धता एवं विशेषज्ञ सेवाओं की कमी
नर्स/ANM	आवश्यकता के अनुरूप अपर्याप्त	कार्यभार एवं मानव संसाधन की कमी
ASHA कार्यकर्ता	ग्रामीण स्तर पर अपेक्षाकृत व्यापक	कार्यक्षेत्र एवं संसाधनों से संबंधित कठिनाइयाँ
लैब तकनीशियन	सीमित	जांच सुविधाओं की निरंतरता प्रभावित

5.3 आर्थिक स्थिति एवं उपचार तक पहुँच

ग्रामीण आबादी की आर्थिक परिस्थितियाँ स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। सीमित एवं अनियमित आय वाले परिवारों के लिए उपचार, जांच, दवाओं तथा स्वास्थ्य संस्थान तक आने-जाने का खर्च अतिरिक्त आर्थिक भार उत्पन्न कर सकता है। ऐसी स्थिति में सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार टालना अथवा घरेलू उपचार पर निर्भर रहना देखा जा सकता है।

5.4 स्वास्थ्य जागरूकता एवं शिक्षा से संबंधित चुनौतियाँ

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और जागरूकता का स्तर किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य व्यवहार को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है। टीकाकरण, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, परिवार नियोजन, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा रोगों की प्रारंभिक पहचान के संबंध में पर्याप्त जानकारी का अभाव स्वास्थ्य जोखिम को बढ़ा सकता है। कुछ ग्रामीण समुदायों में पारंपरिक धारणाओं, गलत स्वास्थ्य मान्यताओं तथा अनियमित रूप से उपलब्ध गैर-प्रशिक्षित चिकित्सा सेवाओं पर निर्भरता के कारण वैज्ञानिक स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग अपेक्षित स्तर तक नहीं हो पाता।

5.5 स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता एवं पर्यावरणीय परिस्थितियाँ

ग्रामीण स्वास्थ्य की स्थिति को प्रभावित करने वाले प्रमुख पर्यावरणीय घटकों में सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता, जल निकासी तथा ठोस एवं तरल अपशिष्ट का उचित प्रबंधन शामिल हैं। इन सुविधाओं में कमी होने पर जल एवं स्वच्छता से संबंधित रोगों का जोखिम बढ़ सकता है। दूषित जल और अपर्याप्त स्वच्छता की परिस्थितियाँ विशेष रूप से बच्चों एवं कमजोर स्वास्थ्य वाले व्यक्तियों को अधिक प्रभावित कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त जल-जमाव और मच्छरों के प्रजनन की अनुकूल परिस्थितियाँ वेक्टर-जनित रोगों के प्रसार की संभावना को बढ़ा सकती हैं।

तालिका–4 : ग्रामीण क्षेत्रों में प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं का स्वरूप

स्वास्थ्य समस्या का वर्ग	प्रमुख उदाहरण
संक्रामक एवं जल/स्वच्छता संबंधी रोग	डायरिया, टाइफाइड, तपेदिक आदि

वेक्टर-जनित रोग	मलेरिया, डेंगू आदि
गैर-संचारी रोग	मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी रोग आदि
पोषण संबंधी समस्याएँ	कुपोषण, एनीमिया आदि

5.6 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियाँ

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। गर्भावस्था के दौरान नियमित प्रसवपूर्व जांच, पर्याप्त पोषण, आयरन एवं फोलिक एसिड की उपलब्धता, संस्थागत प्रसव तथा प्रसवोत्तर देखभाल की निरंतरता महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य परिणामों को प्रभावित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थानों तक दूरी, आर्थिक एवं सामाजिक बाधाएँ तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की कमी इन सेवाओं के नियमित उपयोग में कठिनाई उत्पन्न कर सकती है। शिशुओं में कुपोषण, टीकाकरण में व्यवधान तथा उचित नवजात देखभाल की कमी भी महत्वपूर्ण चिंताएँ हो सकती हैं।

तालिका–5 : मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रमुख संकेतक

स्वास्थ्य संकेतक	**अध्ययन में प्रमुख अवलोकन**
प्रसवपूर्व देखभाल	नियमित सेवाओं तक पहुँच में क्षेत्रीय अंतर
संस्थागत प्रसव	स्वास्थ्य संस्थानों की पहुँच एवं जागरूकता से प्रभावित
मातृ एनीमिया	प्रमुख पोषण संबंधी चिंता
शिशु पोषण	कुपोषण की संभावना एवं निगरानी की आवश्यकता
टीकाकरण	सेवाओं की पहुँच एवं नियमितता महत्वपूर्ण
प्रसवोत्तर देखभाल	ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर सेवा-प्राप्ति आवश्यक

समग्र रूप से, रामपुर जनपद के ग्रामीण स्वास्थ्य परिदृश्य में केवल स्वास्थ्य संस्थानों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए **अवसंरचना, मानव संसाधन, आवश्यक औषधियाँ, नैदानिक सुविधाएँ, मातृ-शिशु सेवाएँ, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य जागरूकता** को एकीकृत रूप से सुदृढ़ करना आवश्यक है।

6. सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भूमिका एवं कार्यान्वयन

ग्रामीण आबादी तक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने तथा स्वास्थ्य संबंधी असमानताओं को कम करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का प्रमुख लक्ष्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना, टीकाकरण को बढ़ावा देना तथा प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना है। ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के संदर्भ में **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM), जननी सुरक्षा योजना (JSY), आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)** तथा **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम** जैसी पहलें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में इन योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन योजनाओं की वास्तविक प्रभावशीलता उनके स्थानीय स्तर पर कार्यान्वयन पर निर्भर करती है। लाभार्थियों में योजनाओं के प्रति सीमित जानकारी, आवेदन एवं दस्तावेजी प्रक्रियाओं की जटिलता, संस्थागत स्तर पर समन्वय की कमी तथा निगरानी व्यवस्था की सीमाएँ इनके अपेक्षित परिणामों को प्रभावित कर सकती हैं। अतः केवल योजनाओं का संचालन पर्याप्त नहीं

है; उनके लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुँच रहे हैं या नहीं, इसकी नियमित समीक्षा और सामाजिक स्तर पर निगरानी भी आवश्यक है।

7. ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु सुझाव

अध्ययन में सामने आए विभिन्न पहलुओं के आधार पर रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच एवं गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जा सकते हैं—

- **स्वास्थ्य अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण:** ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थानों की संख्या एवं कार्यक्षमता को स्थानीय जनसंख्या की आवश्यकता के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए तथा भवनों के साथ आवश्यक उपकरण, औषधियाँ और जांच सुविधाएँ सुनिश्चित की जानी चाहिए।
- **मानव संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाना:** ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, एएनएम, लैब तकनीशियनों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बेहतर कार्य परिस्थितियाँ, आवासीय सुविधाएँ एवं उपयुक्त प्रोत्साहन प्रदान किए जाने चाहिए।
- **स्वास्थ्य शिक्षा एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना:** टीकाकरण, पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, स्वच्छता तथा गैर-संचारी रोगों की रोकथाम से संबंधित स्थानीय स्तर पर निरंतर जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाने चाहिए।
- **स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल पर विशेष ध्यान:** ग्रामीण बस्तियों में सुरक्षित पेयजल, शौचालय, जल निकासी तथा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित निरीक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
- **डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार:** विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श की सीमित उपलब्धता वाले क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य परामर्श तथा मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों का उपयोग बढ़ाया जा सकता है।
- **मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना:** गर्भावस्था की नियमित जांच, संस्थागत प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल, नवजात स्वास्थ्य, पोषण एवं टीकाकरण सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।
- **सरकारी योजनाओं की निगरानी में सुधार:** स्वास्थ्य योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, सेवा प्राप्ति और योजना के परिणामों की नियमित समीक्षा की जानी चाहिए। शिकायत निवारण एवं सामाजिक निगरानी तंत्र को भी अधिक प्रभावी बनाया जाना आवश्यक है।
- **स्थानीय समुदाय की सहभागिता:** ग्राम पंचायत, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह तथा स्थानीय समुदाय को स्वास्थ्य संबंधी नियोजन एवं जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए।

8. निष्कर्ष

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक केवल स्वास्थ्य संस्थानों की उपलब्धता तक सीमित नहीं हैं। स्वास्थ्य अवसंरचना, प्रशिक्षित मानव संसाधन, आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल तथा सरकारी कार्यक्रमों के स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन जैसे अनेक घटक एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए किसी एक क्षेत्र पर केंद्रित प्रयास के बजाय बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थानों को पर्याप्त संसाधनों से सुसज्जित करने, आवश्यक स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के साथ-साथ समुदाय को स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों और कार्यक्रमों में सहभागी

बनाना आवश्यक है। इसी प्रकार सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की पहुँच और प्रभाव का नियमित मूल्यांकन करने से सेवा वितरण में मौजूद कमियों की पहचान की जा सकती है। यदि स्वास्थ्य सेवाओं को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाए और प्रशासनिक व्यवस्था, स्वास्थ्य कर्मियों तथा समुदाय के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाए, तो रामपुर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, गुणवत्ता और उपयोगिता में दीर्घकालिक सुधार की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं।

संदर्भ सूची (References)

1. भारत सरकार (2022). *राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल.* केंद्रीय स्वास्थ्य ब्यूरो, नई दिल्ली।
2. उत्तर प्रदेश सरकार (2023). *जनपद स्वास्थ्य कार्ययोजना – रामपुर*।
3. शर्मा, एस. (2021). ग्रामीण स्वच्छता एवं पेयजल. *भारतीय सामाजिक विकास पत्रिका*।
4. श्रीवास्तव, डी. (2020). ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ. लखनऊ: अवध पब्लिकेशन।
5. लाल, एस. (2022). *सामुदायिक चिकित्सा.* नई दिल्ली: CBS प्रकाशन।
6. कुमार, वी. एवं सिंह, पी. (2019). उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य अवसंरचना. *स्वास्थ्य प्रबंधन जर्नल*।
7. दास, ए. (2018). ग्रामीण स्वास्थ्य की चुनौतियाँ. *समाज अध्ययन पत्रिका*।
8. भारत सरकार (2022). *सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम दिशा-निर्देश*।
9. जल शक्ति मंत्रालय (2022). *स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)*।
10. जॉर्ज, ए. (2020). सामुदायिक सहभागिता एवं स्वास्थ्य. *हेल्थ पॉलिसी जर्नल*।
11. बरू, आर. (2019). स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता. *सोशल साइंटिस्ट*।
12. भारतीय जनगणना (2011). *रामपुर जिला जनगणना पुस्तिका*।
13. राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (2021). *ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यबल रिपोर्ट*।
14. यूनिसेफ इंडिया (2021). *मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रिपोर्ट*।
15. कुमार, एन. (2020). ASHA कार्यकर्ताओं की भूमिका. *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ*।
16. योजना आयोग (2018). *बारहवीं पंचवर्षीय योजना – स्वास्थ्य क्षेत्र*।
17. यूएनडीपी इंडिया (2021). *मानव विकास रिपोर्ट*।
18. बालराजन, वाई. (2019). भारत में एनीमिया. *द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ*।
19. दास, ए. एवं हैमर, जे. (2018). ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य. *डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स जर्नल*।
20. भोर समिति रिपोर्ट (1946). *भारत में स्वास्थ्य सर्वेक्षण एवं विकास*।
21. World Health Organization (2023). *Primary Health Care Systems*. Geneva: WHO.
22. Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India (2022). *Rural Health Statistics*. New Delhi.
23. Census of India (2011). *District Census Handbook: Rampur (U.P.)*.
24. International Institute for Population Sciences (2021). *NFHS-5 India Report*. Mumbai.
25. Park, K. (2023). *Park's Textbook of Preventive and Social Medicine* (27th ed.). Jabalpur.
26. Registrar General of India (2021). *Sample Registration System Report*.
27. World Bank (2022). *India Health Sector Review*.
28. Rao, M. et al. (2020). Human resources for health in India. *The Lancet*.
29. Dash, U. & Muraleedharan, V. (2019). Out-of-pocket health expenditure. *EPW*.
30. NITI Aayog (2021). *Health Index Report*.
31. UNICEF India (2022). *Maternal & Child Health Status*.
32. Patel, V. et al. (2018). Mental health in rural India. *Global Health Action*.
33. Kumar, R. (2021). Public health system strengthening. *IJMR*.
34. Ayushman Bharat PM-JAY (2023). *Operational Guidelines*.
35. NHM India (2020). *National Rural Health Mission Framework*.